रात्रिक्लास 8-4-68

विवेक कहते हैं, बुधि कहती है बाप को जानने से फिर बाप द्वारा , मनुष्य जो कुछ नहीं जानते कुछ नहीं समझते। तुम बाप द्वारा बाप को और सभी कुछ समझ सकते हो। बाप ही समझाते हैं। बाप जो समझाते हैं वह है वर्थ-पाउन्ड। बाकी जो कुछ मनुष्य जानते हैं वह है वर्थनाट अपनी। बाप समझाते हैं वर्थ-पाउन्ड। तो पेनी वर्थ दुनिया खत्म हो जाती है। और वर्थ पाउन्ड की दुनिया स्थापन हो जाती है। बाप की समझ क्या है उनके भेट में दुनिया की समझ कुछ नहीं है। मनुष्य इस समय वर्थ नाट अपेनी है कुछ भी बुधि नहीं है। सभी की तमोप्रधान एविल बुधि है। इसलिए बाप को सभी याद करते रहते हैं। परन्तु उनको पहचानते नहीं हैं। बाप को भी नहीं जानते तो बाप के रचना को भी नहीं जानते तो पत्थर बुधि कहेंगे न। आत्मा की कितनी बुड़ी गति हो जाती है। बाप द्वारा सभी कुछ जान जाते हो। चक्र को भी जान जाते हो। यह भी समझते हो पवित्र भी जरूर बनना है। अक्षर भी गीता है मन्मनाभव। बुधि क्या से क्या हो जाती है। वन्डर है दुनिया भी कुछ नहीं समझती। कुछ भी नहीं जानती। इस समय तुम सभी कुछ जानते हो जो फिर देवतायें भी नहीं जानते। इसको कहा जाता है गुढ़ ज्ञान। नया आदमी तो वन्डर खावेंगे। बाप जो कमाई कराते हैं यह है सच्ची कमाई। 2। जन्मों के लिए। विरला की कमाई क्या है। वह तो सभी खत्म हो जाती है तो तुम बच्चों को कितना नशा चढ़ना चाहिए। है भी बहुत सहज। परन्तु बुधि में बैठता ही नहीं है। बाप से पूरी ताकत ले ली तो जैसे कि वर्सा ले लिया। बाप विल दे दी और गया। विल पावर यानि बाप अपने विल की पावर तो तुमको देते हैं। फिर मैं चला जाउंगा तो तुम उस पावर से राज्य चलाना। यह समझाने में कितनी मेहनत लगती है। सिर्फ आत्मा ही सतोप्रधान बन जावे तो बेड़ा पार है। तुम बच्चे समझते हो इस समय राज्य की स्थापना हो रही है। औरों को कैसे समझावें। गीता के लिए कुछ कहते हैं तो बिगड़ पड़ते हैं। ओपनिंग भी लिखते हैं बराबर कृष्ण भगवान नहीं हैं। परन्तु जब समझें। मनुष्य जो कुछ बोलते हैं शास्त्रों के ही आधार पर बोलते हैं तो सभी शास्त्र झूठे सिध हो जाते। बेहद का बाप वर्सा कैसे देते हैं यह तो तुम बच्चे ही समझते हो। मूल बात है सतोप्रधान बनने की। तब लायक भी बनें। विश्व की बादशाही देने वाला बाप को आना पड़ता है। और कोई की बुधि में नहीं है। तुम कितने खुश नसीब हो। तुम्हारे जितना खुश नसीब कोई हो न सके। कोई के लिए केस आद लड़ने का भी टाईम नहीं है। ऐसे क्या करेंगे। पिछाड़ी में कहेंगे भगवान को देवें। भगवान कहेंगे हम क्या करेंगे। मैं पक्का सराफ हूं। लूं और मिट्टी में मिल जावे ऐसा कच्चा थोड़े ही बनूंगा। सच्चा2 रामायण तुम सुनते हो। बाप कहते हैं बन्दरसेना ली है। सभी भक्तियों को, सभी सीताओं को रावण के जेल से छुड़ाते हैं। एक सीता द्रोपदी की बात ही नहीं। तुम सी सभी पार्वतियां अमर कथा सुन रही हो। सारी दुनिया खिट2 तो बहुत है। हमलोग का कोई से कनेक्शन ही नहीं। हम राय देते हैं आसमान में जाने की। और कोई राय नहीं दे सकते।

साल्ड काम करो। यह भी जानते हैं तुम ड्रामा के प्लेन अनुसार कर रहे हो। कल्प2 तुम ने किया है फिर भी करेंगे। बाप तो रोज2 पाईन्ट्स समझाते रहते हैं। आदी सनातन धर्म वालों को भी समझाओ। फिर आपे ही वह भी मदद करेंगे। मूल ओपनिंग के लिए बड़ों2 को भगाओ। उन्हों का आवाज़ निकलेगा। जितना तुम अच्छी रीत समझावेंगे तो वह फिर बहुतों को ले आवेंगे। एक एक को समझाने लिए तुम ने अभी म्युज़ियम की भी युक्ति रची है। आगे तुमको कहते थे बाहर तो निकलो। मैदान में आओ। ऐसा बाहर निकलो जो बाहर निकल एकदम आसमान बढ़ जाओ। सर्विस सर्विस और सर्विस। ज्ञान की ऊंची2 पायन्ट्स तो बहुत मिलती रहती है। ब्राह्मण ही उनको कहा जाये जो सर्विस करते रहे। जो सच्ची गीता न सुनावे वह कोई सच्चा ब्राह्मण थोड़े ही कहलाया जावेगा।

अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी लाडले बाप का याद प्यार गुडनाईट। रूहानी मीठे2 बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।